रॉंची
23/09/2015

ICFAI UNIVERSITY JHARKHAND

The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

-1-

इक्फाई वि० वि० झारखण्ड में "इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

आज इक्फाई वि० वि० के दलादली स्थित कैंपस में "इंटरनेट ऑफ थिंग्स - प्रौद्योगिकी रूझान और अनुप्रयोग" पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए वि० वि० के कुलपति प्रो० ओ० आर एस राव ने का कि इंटरनेट की चिजो के नवीनतम प्रौद्योगिकी हमारे दिन प्रतिदिन के निजी जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा और हमारे उपयोग की उत्पादकता में सुधार देगा। जिस तरह से आज मशीन की मशीन से संचार माध्यम इंटरनेट के साथ होता है इंटरनेट के चिजों के द्वारा कल्पना की बाते वास्तविक जीवन मे बदल देगा। प्रो राव ने कहा की भारत में रिटेल, उर्जा स्मार्ट भवन आदि क्षेत्रो मे इंटरनेट की चिजो का उपयोग हो रहा है। इस क्षेत्र मे विकास की जरूरत है, जिसमे छात्र तथा पेशेवर अपनी ज्ञान को बड़ा सफलता पा सकते है।

सम्मेलन मे मुख्य वक्ता के रूप मे माइक्रोसॉफ्ट के समाधान प्रबंधक ने कहा कि अगले 5 वर्षो में इंटरनेट की चिजें खुदरा, परिवहन, स्वास्थ्य, मोटर, विनिर्माण आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आवेदन पायेगा जो एक अरब से अधिक उपकरणों को इंटरनेट से जोड़ा जाएगा। इससे अगले 5 वर्षो मे 1.7 ट्रिलियन डॉलर का व्यापार उत्पन्न करेगा।
सम्मेलन मे मुख्य अतिथि के रूप में दर्शको को संबोधित करते हुए विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि इंटरनेट के अनुप्रयोग का उपयोग यातायात प्रबंधन, हवा की गुणवत्ता प्रबंधन, जल उपचार जैसे क्षेत्रो मे होगा।
डॉ० एपी सिंह मेकान के निदेशक ने इक्फाई वि० वि० को इस तरह का इसी क्षेत्र मे पहला सम्मेलन आयोजित करने के लिए बधाई दी तथा मेकॉन में इंटरनेट के चिजो के उपयोग की व्याख्या कि।
सम्मेलन मे तकनिकी सत्र के दौरान बोलते हुए माइक्रोसॉफ्ट के निदेशक श्री रामाशिश सिंह ने का कि इंटरनेट की अनुप्रयोग एवं इसकी चिजें मोबाइल, क्लाउड कम्प्युटिंग, डाटा एनालिटिक्स के द्वारा संचालित एक बहु अनुशासित प्रौद्योगिकी है और एक बड़ा सुविधा तथा बड़े प्रतिनिधित्व को साकार करता है।

P.T.O.

Campus : 2065, Daladali Chowk, Simalia, Near Kathal Mode, Ranchi-834 005, Tel: 0651-2100254.
City Office: 2167/A. Opp IDBI Bank, Ashok Nagar, Ranchi-834 002. Tel: 0651-2245178 ,2240470, 092040-62414.

सम्मेलन में आर टि सी आई टी के प्रोफेसर डॉ तारांकर बद्र ने क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग का एक वर्चुअल वास्तुकला के बारे में बताया।

तकनिकी सत्र में सेकॉन, सेल, बीएचयू (वाराणसी) बीआईटी मेसरा, सेंट जेवियर कॉलेज आदि संगठनों से पेशेवरों तथा छात्रों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

पूर्व कुलपति सह मेम्बर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (वि वि) डॉ पी के नाग ने सम्मेलन में समापन भाषण दिया। इस अवसर पर वि वि कुलसचिव डॉ बि एन सिंह, प्रो मदन प्रसाद, प्रो एस एस प्रसाद, डॉ एस सी रवेन, डॉ अरविन्द कुमार तथा अन्य संकाय सदस्य, छात्र और छात्रायें उपस्थित थे।